छः मासिक पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता **(AHW)** पैरावेट प्रशिक्षण
पाठ्यक्रम सूची

पशु पोषण

- विषय परिचय
- खाद्य पदार्थो का वर्गीकरण
- पशु आहार की जैवरासायनिकी, पोषक तत्व तथा पशु शरीर में उनके कार्य
- पशुओ के काम आने वाले खाद्य पदार्थ
- भोजन के प्रमुख पोषक तत्व
- चारे के रूप में पेड़ो का योगदान
- ''हे'' बनना
- सइलेज द्वारा हरे चारे को संरक्षित करना
- एन्जाइम
- विटामिन्स
- हार्मोन्स
- पशओ के लिये आहार तैयार करने के सिद्धान्त
- विभिन्न पशुओ का भोजन
- चारागह एवं खेतो का पशुओ के लिये चारा और दाना उपलब्ध कराने के स्त्रोत के रूप मे योगदान
- पादप विष विज्ञान
- खाद्य तकनीकी
- गैरपरम्परागत खाद्य पदार्थ

पशु शरीर क्रिया विज्ञान

- विषय परिचय
- माँसपेशिया व उनकी कार्यिकी
- रक्त – संगठन व विभिन्न गुण
- रोग प्रतिरोधक क्षमता
- रूधिर परिसंचरण तंत्र
- परिसंचरण आघात
- भोजन के प्रमुख पोषक तत्व
- उपापचय
- पाचन तंत्र
- श्वसन तंत्र
- उत्सर्जन तंत्र
- नर जनन तंत्र
- मादा जनन तंत्र
- निषेचन, गर्भावस्था व प्रसव
- स्तन ग्रन्थियाँ व दुग्ध उत्पादन

पशु शरीर रचना विज्ञान

- विषय परिचय
- कोशिका
- ऊतक या ऊतकों का अध्ययन
- कंकाल तंत्र
- संधि विज्ञान
- पेशियो का अध्ययन
- अध्यावरणी तंत्र
- पाचन तंत्र
- श्वसन तंत्र
- रक्त परिसंचरण तंत्र
- उत्सर्जन तंत्र
- नर जनन तंत्र
- मादा जनन तंत्र
- स्तनीय – तंत्र

कृत्रिम गर्भाधान

- कृत्रिम गर्भाधान क्या है
- कृत्रिम गर्भाधान का इतिहास
- कृत्रिम गर्भाधान के फायदे
- सीमन कलेक्शन
- आर्टिफिसियल वेजाइना द्वारा
- आर्टिफिसियल वेजाइना
- AV से सीमन कलेक्शन के लाभ
- नॉर्मल सीमन
- नॉर्मल स्पर्म
- सीमन का मुल्यांकन
- स्पर्म की मोटाइलिटी
- एब्नॉर्मल स्पर्म
- सीमन को फ्रीज या ठंडा करना
- फ्रोजन सीमन के लाभ
- आर्टिफिसियल इंसोमिनेशन कैसे करें
- गर्भाधान को प्रभावित करने वाले कारक
- कृत्रिम गर्भाधान का समय
- भैंसों में कृत्रिम गर्भाधान
- फ्रोजन सीमन की थॉइंग
- AI गन तैयार करना
- ए. आई. के उपकरण
- लिक्विड नाइट्रोजन
- क्रायो जार की टाईप
- क्रायो जार का रख रखाव
- क्रायो टैंकर
- फीमेल रिप्रोडक्टिव आर्गन्स

- मेल रिप्रोडक्टिव आर्गन्स
- इस्ट्रस साइकल
- कॉरपस ल्यूटियम
- ऑव्युलेशन
- फर्टिलाइजेशन
- गर्भाकाल
- प्रेग्नेन्सी डॉर्यनोसिस

पशु औषध विज्ञान

- विषय परिचय
- औषध शास्त्र में प्रयुक्त शब्दावली
- औषधियों के भार एवं माप
- उपचार पर्ची/डॉक्टर नुस्खा
- औषधि देने की विधियाँ/मार्ग
- पोसोलोजी/डोजेज (खुराक) को प्रभावित एवं निर्धारित करने वाले कारक
- विभिन्न औषधियां तैयार की विधियां
- औषधियो का जैव – रूपान्तरण
- फर्माकोडीनमिक्स
- औषधियों का औषध प्रभाव के आधार पर वर्गीकरण
- क्षारीय औषधियां/धातुएं व अमोनिया
- क्षारीय मृदा धातु तत्व
- भारी धातुएं
- धातु जैसे अधातु तत्व
- अधातु हैलोजन व अधातु तत्व
- तंत्रिका तंत्र पर कार्य करने वाली औषधियां
- पाचन तंत्र पर कार्य करने वाली औषधियां
- उत्सर्जन तन्त्र पर कार्य करने वाली औषधियां
- परिसंचरण तंत्र पर कार्य करने वाली औषधियां
- श्वसन तंत्र पर कार्य करने वाली औषधियां
- जनन तंत्र पर कार्य करने वाली औषधियां
- त्वचा व श्लेष्मा झिल्लियों पर कार्य करने वाली औषधियां
- कृमि – निवारक औषधियां
- प्रोटोजोआ के विरूद्ध कार्य करने वाली औषधियां
- कवकों के विरूद्ध कार्य करने औषधियां
- रसायन चिकित्सा विज्ञान व प्रतिजैविक औषधियां
- निश्चेतना
- नॉन –स्टेरॉइडल एवं एंटी इंफ्लेमेटरी ड्रग्स
- एन्टीसेप्टिक्स एवं डिसइंफेक्टेंट्स
- विसंगति/बेमेलता
- ऑटसिडस
- विष विज्ञान
- बीमारी की जाँच हेतु रक्त,मल–मूत्र एवं दुग्ध का प्रयोगशाला में जाँच हेतु संकलन करना तथा भेजना

पशु चिकित्सा विज्ञान

- विषय परिचय व रोग
- रोग की पहचान/निदान व उपचार
- चिकित्सीय जाँच
- महत्वपूर्ण शब्दावली
- तापमान,नाड़ी व श्वसन
- पाचन तंत्र के रोग
- श्वसन तंत्र के रोग
- तंत्रिका तंत्र व माँसपेशियों के रोग
- मूल तंत्र के रोग
- त्वचा,आखँ,कान व जोड़ो के रोग
- उपापचय सम्बन्धी व पोषक की कमी वाले रोग
- जीवाणु जनित रोग
- विषाणु जनित रोग
- कवक जनित रोग
- प्रोटोजोआ जनित रोग
- बाह्य परजीवी जनित रोग
- अन्तः परीजीवी रोग
- मुर्गियों के रोग
- विष विज्ञान

छः मासिक पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता (AHW) प्रशिक्षण सम्बन्धित जानकारी

प्रशिक्षण अवधि – 6 माह
थ्योरी – 5 माह (प्रति दिन 5 घंटे)
प्रैकटिकल –1माह (प्रति दिन 6 घंटे)